लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2956

18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

रेशम कीटपालकों और बुनकरों को सहायता

2956. श्री यदुवीर वाडियार:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार रेशम कीटपालकों और बुनकरों को उनकी उत्पादकता बढ़ाने तथा उनकी आजीविका में सुधार लाने के लिए किस प्रकार सहायता प्रदान कर रही है;

(ख) क्या भारत से रेशम के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कोई नई नीतियां या योजनाएं शुरू की जा रही हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा भारत को रेशम के उत्पादन और इसके निर्यात में विश्व में अग्रणी बनाने के लिए क्या दीर्घकालिक योजना प्रस्तावित की गई है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): सरकार ने सिल्क समग्र-2 योजना के कार्यान्वयन के माध्यम से देश में रेशम उद्योग के विकास और रेशम कीट पालकों और बुनकरों की उत्पादकता और आजीविका बढ़ाने के लिए सहायता प्रदान की है। अब तक, इस योजना के तहत लाभार्थी उन्मुख महत्वपूर्ण क्षेत्र स्तरीय घटकों के कार्यान्वयन के लिए लगभग 78,000 लाभार्थियों को कवर करते हुए राज्य सरकारों को 1,074.94 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है।

इसके अलावा, हथकरघा क्षेत्र द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना के तहत, रेशम हथकरघा कामगारों सहित हथकरघा कामगारों को सहायता प्रदान की जाती है।

(ख) और (ग): चल रही सिल्क समग्र-2 योजना का बल रेशम क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर है। रेशम समग्र-2 योजना के तहत पहलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के बाइवोल्टाइन रेशम उत्पादन को बढ़ाना और रेशम निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है।

(घ): सरकार का लक्ष्य उत्पादन वृद्धि, गुणवत्ता सुधार, अवसंरचना के विकास, अनुसंधान एवं विकास और बाजार विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक बहुआयामी रणनीति के माध्यम से भारत को रेशम उत्पादन और निर्यात में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करना है।

***